भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3839

25.03.2022 को उत्तर देने के लिए

मानवीय सहायता

3839. श्री ए. गणेशमूर्तिः

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान अफगानिस्तान के लोगों को प्रदान की गई खाद्य आपूर्ति और अन्य मानवीय सहायता का वर्ष वार ब्यौरा क्या है:

(ख) क्या अफगानिस्तान के लोगों को खाद्य सामग्री वितरित करने के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के साथ किसी समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री वी. मुरलीधरन]

(क) से (ग) भारत का अफगानिस्तान के साथ ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध हैं। अफगानिस्तान के साथ भारत की विकास साझेदारी में देश के 34 प्रांतों में से प्रत्येक में बिजली, पानी की आपूर्ति, सड़क संपर्कता, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, कृषि और क्षमता निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं।

पिछले दो वर्षों में भारत ने अफगानिस्तान के लोगों के लिए मानवीय आवश्यकताओं में योगदान दिया है। इसमें 75,000 मीट्रिक टन गेहूँ (2020), कोविड संबंधित चिकित्सा आपूर्ति (जून 2020), और कोविड टीकों की 500,000 खुराकों (जनवरी 2021) की सहायता शामिल हैं।

हाल ही में 15 अगस्त, 2021 के बाद मानवीय सहायता के रूप में अफगानिस्तान को 10,000 मीट्रिक टन गेहूँ, 13 टन जीवन रक्षक आवश्यक दवाएं, कोविड टीकों की 500,000 खुराकें और गर्म कपड़ों की 500 यूनिट की कई खेपें भेजी गईं। इन खेपों को इंदिरा गाँधी चिल्ड्रेन अस्पताल, काबुल और संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियों, अर्थात् विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को सौंप दिया गया था।

अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा की गई अपील की प्रतिक्रिया में और अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमारे विशेष ऐतिहासिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने 50,000 मीट्रिक टन गेहूँ सहित अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

अफगानिस्तान के जलालाबाद स्थित संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को गेहूँ की सहायता से संबंधित कई खेपें सौंपी गई हैं। इस संबंध में भारत सरकार ने अफगानिस्तान में गेहूँ संबंधी सहायता के वितरण के लिए डब्ल्यूएफपी के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। अब तक, इस करार के तहत अफगानिस्तान को 10,000 मीट्रिक टन गेहूँ संबंधी सहायता भेजी जा चुकी है।

***